**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या : 544**
**गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

**बिहार और झारखंड के लिए 'उड़ान' योजना**

**544.** श्री चन्द्र प्रकाश चौधरीः
श्री अजय कुमार मंडलः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'उड़ान' योजना के अंतर्गत बिहार और झारखंड में चिह्नित/विकसित किए जा रहे हवाई अड्डों का ब्यौरा क्या है;

(ख) चालू वर्ष के दौरान उक्त योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने वाले प्रस्तावित शहरों/जिलों के नामों का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि उड़ान 5.2 के अंतर्गत बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों में हवाई मार्ग के लिए बोलियां प्राप्त होने के बाद भी उड़ान परिचालन शुरू नहीं किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो इसके जिला-वार क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) **:** बिहार राज्य में दरभंगा हवाईअड्डे को उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के दूसरे दौर के दौरान विकसित किया गया था। दरभंगा को मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु से जोड़ने वाले मार्गों को स्पाइसजेट द्वारा दिनांक 08.11.2020 को शुरू किया गया था।

झारखंड राज्य में बोकारो, दुमका, जमशेदपुर, हजारीबाग, देवघर और डाल्टनगंज को उड़ान योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु चिह्नित किया गया है। इनमें से जमशेदपुर और देवघर हवाईअड्डे पहले ही प्रचालनिक हो चुके हैं। बोकारो और दुमका हवाईअड्डों पर विकास कार्य पूरा हो चुका है। भूमि की अनुपलब्धता के कारण हजारीबाग हवाई पट्टी का विकास नहीं किया जा सका। राज्य सरकार से डाल्टनगंज हवाईअड्डे के विकास हेतु भूमि की उपलब्धता के संबंध में सहमति और पुष्टि प्रदान करने के लिए अनुरोध किया गया है।

(ख) **:** उड़ान योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित हवाईअड्डे का समापन और प्रचालनीकरण भूमि की उपलब्धता, तकनीकी और प्रचालन संबंधी बाधाओं, लाइसेंसिंग के लिए नियमों के अनुपालन, विमान और एयरलाइन प्रचालकों के अन्य मुद्दों आदि सहित विभिन्न कारकों पर

निर्भर है। वर्ष 2024-25 के दौरान आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत प्रचालन के लिए योजनाबद्ध शहरों/जिलों की सूची अनुलग्नक में दी गई है।

(ग) और (घ): उड़ान 5.2 के अंतर्गत बिहार राज्य के बीरपुर, सहरसा, भागलपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, वाल्मीकि नगर, मोतिहारी, रक्सौल, मधुबनी और छपरा हवाईअड्डों पर छोटे विमान परिचालन (20 सीटों से कम) के लिए बोलियाँ प्राप्त हुई हैं। बिहार सरकार से इन हवाईअड्डों के विकास हेतु भूमि की उपलब्धता के संबंध में सहमति और पुष्टि प्रदान करने के लिए अनुरोध किया गया है।

छोटे विमानों के परिचालन के लिए बोली प्रक्रिया के 5.2 दौर के दौरान, झारखंड राज्य में धनबाद हवाईअड्डे को जोड़ने के लिए बोलियाँ प्राप्त हुई हैं। झारखंड राज्य सरकार से अनुरोध किया गया था कि वह छोटे विमानों (2बी) के परिचालन और भविष्य में श्रेणी 3सी में विस्तार के लिए भूमि की उपलब्धता के संबंध में अपनी सहमति और पुष्टि प्रदान करें। तथापि, राज्य सरकार ने भूमि की कमी के कारण धनबाद हवाईअड्डे को विकसित करने के लिए अपनी सहमति नहीं दी है।

**अनुलग्नक**

**वर्ष 2024-25 में आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत प्रचालनिकरण हेतु नियोजित हवाईअड्डे**

| क्रम सं. | राज्य का नाम | हवाईअड्डा |
|---|---|---|
| 1. | अंडमान एवं निकोबार (संघ राज्य क्षेत्र) | शिबपुर |
| 2. | छत्तीसगढ | अंबिकापुर |
| 3. | हरियाणा | अंबाला |
| 4. | मध्य प्रदेश | रीवा |
| 5. | मध्य प्रदेश | दतिया |
| 6. | महाराष्ट्र | शोलापुर |
| 7. | महाराष्ट्र | अमरावती |

| | | |
|---|---|---|
| 8. | तमिलनाडु | नेवेली |
| 9. | तमिलनाडु | वेल्लोर |
| 10. | उत्तर प्रदेश | सहारनपुर (सरसावा) |
| 11. | हिमाचल प्रदेश | बद्दी (कसौली) हेलीपोर्ट |
| 12. | हिमाचल प्रदेश | शिमला (संजोली) हेलीपोर्ट |

*******